एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| बरेली |

गुरुवार, 5 फरवरी 2026, वर्ष 7,

PAGE NO : 05TOP

महामारी के खिलाफ जिंदगी की उम्मीद दिखाते हैं कैंसर को हराने वाले : एडीजी

कार्यालय संवाददाता, बरेली

कैंसर को हराने वाले बहादुर मरीजों का सम्मान किया गया। • अमृत विचार

- विजेताओं ने सुनाए एसआरएमएस में इलाज के दौरान के अनुभव किए गए सम्मानित
- कैंसर के महामारी न होने का दिया गया संदेश, कहा- सब जगह वहीं हिम्मत रखें और लड़ें
- चेयरमैन देव मूर्ति ने की मेडिकल कॉलेज में बोन मैरो ट्रांसप्लांट आरंभ होने की घोषणा की.

अमृत विचार: श्रीराम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में वर्ल्ड कैंसर दिवस पर बुधवार को कैंसर से जंग लड़कर मात देने वाले कैंसर विजेताओं को सम्मानित किया गया। कैंसर विजेताओं ने बीमारी की जानकारी और उपचार के दौरान के अपने अनुभव साझा किए। एडीजी जोन रमित शर्मा ने कैंसर विजेताओं की हिम्मत को सराहा और उन्हें इस महामारी से पीड़ितों की जिंदगी की उम्मीद बताया। एडीजी ने पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया।

एडीजी जोन रमित शर्मा ने कहा कि कैंसर विजेता उन सभी लोगों के लिए उम्मीद की किरण हैं, जिन्होंने इस बीमारी के कारण जीने की आशा छोड़ दी है। इन्हें देखकर कैंसर के लाइलाज होने का भ्रम जरूर टूटेगा और महामारी को हराने की हिम्मत बंधेगी। एआई आज दिमाग को पढ़ कर रिएक्ट कर रहा है, सिर्फ दिमाग के जरिये काम करने वाले बॉयो ड्रोन बनाए जा रहे हैं। एडीजी ने एमबीबीएस विद्यार्थियों से कहा कि कैंसर जैसी महामारी और अन्य बीमारियों से निजात दिलाने के लिए आज जो सपना देखोगे और उस पर काम करोगे वह जरूर पूरा होगा। संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति ने इस महामारी से बचाव के लिए दूसरों को जागरूक करने का संदेश दिया। कहा कि वर्ष 2002 में एसआरएमएस हॉस्पिटल के स्थापित होने के बाद माताजी की याद में वर्ष 2007 में कैंसर इंस्टीट्यूट स्थापित किया। सौ से ज्यादा मरीज कीमोथेरेपी के लिए पहुंच रहे हैं। दिल्ली और लखनऊ के बीच एक मात्र ऐसा हेल्थ सेंटर बन गया जहां पर बोन मैरो ट्रांसप्लांट की सुविधा है। यह सुविधा शुरू हो गयी है। डॉ. पियूष कुमार अग्रवाल ने कैंसर, इससे बचाव के उपाय बताने के साथ सेंटर में उपलब्ध तकनीक और उपकरणों की जानकारी दी। इस मौके पर डॉ. एमएस बुटोला, डॉ. रोहित शर्मा, डॉ. बिंदु गर्ग, डॉ. प्रभाकर गुप्ता, डॉ. शैलेश सक्सेना, डॉ. जसप्रीत कौर, डॉ. अरविंद सिंह चौहान, डॉ. मनोज कुमार टांगड़ी, डॉ. पवन मेहरोत्रा, डॉ. शुभांशु गुप्ता, प्राची उपाध्याय, डॉ. श्रीनिवास नान्द्र, डॉ. सिद्धांत सिंह, डॉ. अनिकेत, डॉ. क्रांति कुमार मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. हिमांशी खुराना ने किया।

तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण कैंप कल से

आरआर कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर के डायरेक्टर डॉ. पियूष कुमार अग्रवाल के अनुसार कैंसर दिवस के उपलक्ष्य में तीन दिवसीय कैंसर परीक्षण कैंप का आयोजन किया जा रहा है। 5 से 7 फरवरी तक कैंप में कैंसर विशेषज्ञों द्वारा लिखी जांचों पर 15 फीसदी की छूट दी जाएगी। कैंप में सुबह 9 बजे से दोपहर दो बजे तक रजिस्ट्रेशन होंगे।

इन कैंसर विजेताओं का हुआ अभिनंदन

मोहम्मद कमिल (28 वर्ष), मोहम्मदी (लखीमपुर)। अन्नू (35 वर्ष), बीसलपुर। ठाकुर इकबाल सिंह (79 वर्ष), शाहजहांपुर। महेश चंद्र (62 वर्ष), बदायूं। मधु (56 वर्ष), हल्द्वानी। अमरजीत कौर (63 वर्ष), बाजपुर (उत्तराखंड)। सुनीता देवी (5? वर्ष), लखीमपुर। कमला देवी (46 वर्ष), गांव सेमखेड़ा (पीलीभीत)। उमावती (55 वर्ष), इज्जतनगर। लता शर्मा (45 वर्ष), बदायूं। सगीर अहमद (71 वर्ष), मोहनपुर। मालती देवी (74 वर्ष), अल्मोड़ा।